

म् MBh. 1, 4722. n. *Wahrnehmung*: यावदिन्द्रियाणी पञ्चेन्द्रियार्थाः प्रत्यक्षा एव दृष्टम् TATTVA. 48. KAP. 3, 74. SĀMKAJAK. 4. 5. 6. sc. भय *eine Gefahr, die man wirklich kommen sieht; eine begründete Gefahr* AK. 2, 8, 4, 30. H. 302. — Vgl. अदृष्ट, दृष्टार्थ u. s. w.

— caus. दर्शयति (०ते); aor. अदीदृशत् und अददर्शत् P. 7, 4, 7. 1) Jmd (acc. gen. dat., nach den Grammatikern auch instr.) *Etwas (acc.) sehen lassen, sichtbar machen, zeigen*: दर्शय मा यातुधानान् AV. 4, 20, 6. यज्ञमेवैनामेतदर्शयति ÇAT. Bā 4, 5, 5, 11, 2, 7. 12, 6, 4, 39. 13, 2, 7, 12. ĀÇV. GRUH. 1, 7. (ताम्) विवशो दर्शयामास गुरुम् R. 3, 61, 5. 2, 97, 1. HARIV. 15332. दैत्यान्दर्शयच्छक्तिम् Vop. 3, 5. दर्शयति शंभुं भक्तान्भक्तिः 23, 38. विदर्शी यदि याताद्य सूर्यं दर्शयितासि मे MBh. 3, 2827. न दिवोन्द्रायुधं दृष्ट्वा कस्यचिद्दर्शयेद्बुधः M. 4, 59. VID. 321. अदीदृशो यद्दृष्टुं इत्तं हि नः Bāg. P. 8, 24, 30. MBh. 3, 12033. यदि शक्यो मया जेतुं ज्ञामदृश्यः प्रतापवान् । दैवतानि प्रसन्नानि दर्शयन्तु निशां मम ॥ so v. a. *dann mögen die Götter es mich im Traume sehen lassen* MBh. 5, 7252. द्रष्टुमेतद्भ्रान्तम्यरुम् ॥ तवापि दर्शयिष्यामि सपाठं सर्वमेव तत् KATHĀS. 2, 36. तद्दिव्यं (धनुः) रामाय दर्शयामास R. 2, 31, 33. RAGH. 1, 47. VID. 8. — KHĀND. UP. 7, 11, 1. मृतेष्वज्ञानि दर्शयित् *vorzeigen* M. 8, 204. 236. स चेदर्शयिता मार्गम् MBh. 3, 16299. 5, 7282. R. 1, 1, 62. 56, 3. परां हिंसां 3, 1, 32. MEGH. 38. ÇĀK. 83, 18. 90, 16. मद्यं सर्वाणि दर्शयेत् PAÑĀT. I, 193. HIT. 9, 8, 10, 18. 21, 9. VID. 131. VET. 36, 7. DHŪRTAS. 87, 1. 94, 12. कृस्तेन दर्शयति ÇĀK. 100, 9. अहं च द्वे निजाङ्गुल्यौ दिशि तस्यामदर्शयम् so v. a. *ich zeigte mit zwei Fingern nach der Gegend* KATHĀS. 3, 9. वीर्यं मा (Neg.) न दर्शस्त्वम् BHĀṬṬ. 15, 12. वैश्वलवमदर्शयत् so v. a. *wurde ein Anhänger des Viṣṇu RĀGA-TAR. 5, 124. Jmd sichtbar machen so v. a. vorführen vor Gericht* M. 8, 158. *vorweisen (eine Zahlung) 155. aufzeigen so v. a. beweisen*: तस्या दोषमदर्शयन् 225. *offenbaren, kund machen*: दर्शयिष्यसि यत्सत्यम् VARĀH. BRH. S. 27, a, 2. तथागतज्ञानम् SADDH. P. 4, 28, b. *hinweisen auf Jmd oder Etwas*: शकुन्तलां दर्शयति ÇĀK. 12, 19. देवो परित्राजिक्रपि दर्शयति MĀLAV. 15, 22. BĀG. P. 6, 16, 1. अत्र श्रुतिं दर्शयति Schol. zu KAP. 1, 77 — med.: न दत्तान्दर्शयन् LĀṬJ. 3, 3, 21. कृष्णं लोकान्दर्शयानं शरीरे MBh. 1, 179. दर्शयानाः परं शत्र्यां पौरुषम् 6, 3642. 3, 1026. HIT. 11, 93. स्वबलं दर्शयस्व च R. 1, 75, 3. स्वां गृहे ऽपि वनितं कथमास्यं ऋनिमीलि खलु दर्शयिताहे NĀISU. 5, 71. In den voranstehenden Stellen ist das med. bedeutungsvoll, indem es das Object als am Subject haftend hervorhebt (*sie mögen ihre Zähne nicht zeigen* u. s. w.; doch steht in ähnlichen Fällen auch das act., z. B. तदेव मे दर्शय देव त्रयम् BHĀG. 11, 45. अघरं दर्शयति ÇĀK. 102, 10); nicht so in den folgenden: दर्शयस्व मार्गं केन ब्रह्माम्यरुम् MBh. 3, 9960. दर्शयो चक्रिरे रामं सीताम् BHĀṬṬ. 14, 54. दर्शयते गुरुं देवदत्तं देवदत्तेन वा P. 1, 4, 53, VArtt., Sch. In Verbindung mit आत्मानम् *sich zeigen, erscheinen* meist. act. MBh. 3, 2369. 15066. R. 1, 1, 78. KUMĀRAS. 4, 25. KATHĀS. 12, 191. मृतमिवात्मानं निश्चेष्टं दर्शयत् *er stellte sich tot* HIT. 43, 14. med.: तं चात्मानं बहुधा दर्शयानम् MBh. 1, 174. सीतां रामेण चात्मानमदर्शयत लक्ष्मणाः L. zeigte sich Sītā und Rāma Vop. 3, 5. दर्शितं *vor Augen gestellt, gezeigt* H. 1478. चिरवृत्तमपि ज्येष्ठप्रत्यक्षमिव दर्शितम् R. 1, 4, 16. 51, 4. हेतवश्च मया तस्य दर्शिताः HARIV. 7289. MEGH. 29. RAGH. 12, 14. PAÑĀT. I, 117. KATHĀS. 2, 39. 8, 13. 24, 134. BĀG. P. 1, 6, 23. MĀRK. P. 23, 103. VET. 13, 12. 36, 8. SĪH. D. 3, 12. 31, 15.

17. अतिशब्दः — नितात्तामप्रतिलेपवाचको ऽप्येष दर्शितः MED. avj. 20. एवं मयि च ते भक्तिर्भविष्यति मुदर्शिता R. 2, 31, 16. — 2) *sich vor Jmd (acc.) sehen lassen, sich Jmd zeigen*; med.: दर्शयते भृत्याव्राजा स्वयमेव P. 1, 3, 67, Sch. Vop. 23, 38. MBh. 1, 4709. 2, 220. 3, 12014. KĪA. 1, 10. act.: रामं दर्शय धर्मज्ञं यदि किञ्चिद्वाप्यसि R. 2, 32, 30. दर्शयामास तं नृपम् MBh. 1, 6561. 3, 200. 12004. 16017. 16547. 16626. 4, 204. 5, 7376. 7479. 13, 110. 2768. R. 1, 55, 13. कदा नु रामः — तापसान्दर्शयिष्यति MBh. 3, 11028. fg. (p. 370). 16298. mit dem gen.: रङ्गस्य दर्शयित्वा निवर्तते नर्तकी यथा नृत्यात् SĀMKAJAK. 59. instr.: दर्शयते भृत्यै राजा PAT. beim Schol. zu KĪA. 1, 10.

— desid. दिदृक्षते *sehen wollen, gern sehen* P. 1, 3, 57. Vop. 23, 57. दिदृक्षत उषसो यामन्वक्तोर्विष्वत्पत्या महे चित्रमनीकम् RV. 3, 30, 13. तस्मादप्यञ्जलिं सुवाससं दिदृक्षते ÇAT. Bā. 3, 1, 2, 16. 6, 3, 8, 14. 4, 4, 27. मृकानां दिदृक्षितारः 11, 2, 7, 12. — MBh. 8, 2852. R. 2, 34, 7. 59, 33. BĀG. P. 4, 3, 11. 6, 11, 26. BHĀṬṬ. 3, 29. act. MBh. 1, 7904. 2, 852. 3, 12026. 5, 972 (दिदृक्षति am Ende eines Çloka!). BĀG. P. 2, 10, 21. 3, 28, 33. दिदृक्षित n. *das Verlangen zu sehen* 15, 31. — desid. vom caus.: अदिदर्शयिषीत् NĪDĀNA 3, 10. 12. 4, 6, 7, 10.

— अति s. अनतिदृश्य.

— अनु *erblicken, erschauen*: रथे विलम्बाविव चन्द्रसूर्यौ घनात्तरेणानुदर्श लोकः MBh. 4, 1690. बहुविधमनुदृश्यं चार्थहेतोः कृपणानिर्कार्यमनार्थमाश्रयत्तम् 12, 6681. पूर्वेषां पन्थानमनुदृश्यं RV. 10, 130, 7. इदं मर्कुर्यवचनं मन्वात्मनो यथावदुक्तं मनसानुदृश्यं च *mit dem Geiste betrachten* MBh. 12, 8803. pass. *sich zeigen*: दिनु रजो ऽनुदृश्यत BĀG. P. 4, 10, 22. Vgl. अनुदर्शन, °दर्शिन, °दृष्टि, °दृष्टव्य. — caus. Jmd (acc.) *Etwas (acc.) sehen lassen, offenbaren, an den Tag legen*: (मकीम्) स्पीतां राष्ट्रावतां रामो वैद्वैकीमन्वदर्शयत् R. 2, 49, 12. सौमित्रमनुदर्शयन् 1, 1, 25. *Jmd Etwas zu wissen thun, Jmd anweisen, belehren* MĀLAV. 70, 22. R. 2, 100, 1. अनुदर्शितश्च धर्मेण देवराज्ञा च MBh. 1, 638. 14, 763. mit dopp. acc. *Jmd Etwas vortragen*: नास्तिक्यमनुदर्शितः R. GORR. 2, 116, 41. Statt तदनुदर्शितस्तेन कूपः PAÑĀT. 57, 13 ist तदनु (*darauf*) द° zu lesen.

— व्यप pass. *deutlich zu sehen sein*: न वै किञ्चिद्व्यपदृश्येत भूतं तमोभूते सायकैरत्तरीले MBh. 7, 8136.

— अमि *anblicken*: गिरिमिमं सदा । नाशक्नुवन्नभिद्रष्टुं कुत एवाधिरोहितुम् MBh. 3, 9982. स यैः स्पृष्टो ऽभिदृष्टो वा संविष्टो ऽनुगतो ऽपि वा BĀG. P. 9, 11, 22. *astrol. anblicken so v. a. in aspectu sein*: उत्काभिताडितशिवः शिखो (= केतुः) शिवः शिवतरो ऽभिदृष्टो यः VARĀH. BRH. S. 11, 62. *sehen*: यत्ततो मामभिद्रष्टुं करोति प्रवणं मनः MĀRK. P. 23, 89. pass. *gesehen werden, zu Gesicht kommen*: नाभ्यदृश्यत वीरस्य केचिदप्ये — रिपवः पात्यमाना वै ये सकृद्युर्धनंनयम् MBh. 14, 2503. *erscheinen, scheinen*: वरुणो न यथा पशिर्वद्ध एवाभिदृश्यते । तथा पापान्निगल्नीयात् M. 9, 308. Vgl. अभिदर्शन. — caus. *sehen lassen*: लघ्वस्त्रमभिदर्शयन् MBh. 14, 2151. *vor Jmd (acc.) erscheinen, sich Jmd zeigen*: द्रौपद्या नः सक्तासीनानन्योऽन्यो ऽभिदर्शयेत् । स नो द्वादश वर्षाणि ब्रह्मचारी वने वसेत् ॥ 1. 7740. *ostendere, indicare* WEST.

— अत्र *auf Etwas zurückschliessen*: यथा जलस्य आभासः स्थलस्थेनावदृश्यते । स्वाभासेन यथा सूर्यो जलस्थेन दिवि स्थितः ॥ BĀG. P. 3, 27, 12.

— आ caus. *zeigen*: उत्कलादर्शितपथः कलिङ्गभिमुखो यथै RAGH. 4,